Chandra Shekhar Jadon

60th BPSC (M) GS P2

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candidate must not write on margin

प्रश्न-0 "कृषि का विकास बिहार में औद्योगिक विकास को दिशा प्रदान करती है।" कृषि रोडमैप-3 (2017-22) के संदर्भ में उपरोक्त कथन की व्याख्या करें।

उत्तर:-

कृषि और उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। विशेष कर बिहार में जहाँ कृषि विकास की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। यहाँ पर कृषि एवं इस पर आधारित उद्योगों के विकास की अनुकूल परिस्थितियाँ मौजूद हैं।

बिहार के अधिकतर उद्योग कृषि पर आधारित हैं। उद्योगों को कच्चा माल कृषि से ही मिलता है। कृषि यंत्र निर्माण उद्योग, उर्वरक उद्योग, आदि कृषि पर आश्रित उद्योग हैं। कृषि का विकास होने से इन उद्योगों के विकास के द्वार खुलते हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार द्वारा नियमित अंतराल पर कृषि रोडमैप भी लाई जाती है। बिहार में कृषि आधारित उद्योगों को तीन श्रेणी में बाँटा जा सकता है:-

CERTIFIED Chief Editor Publishing House New Delhi

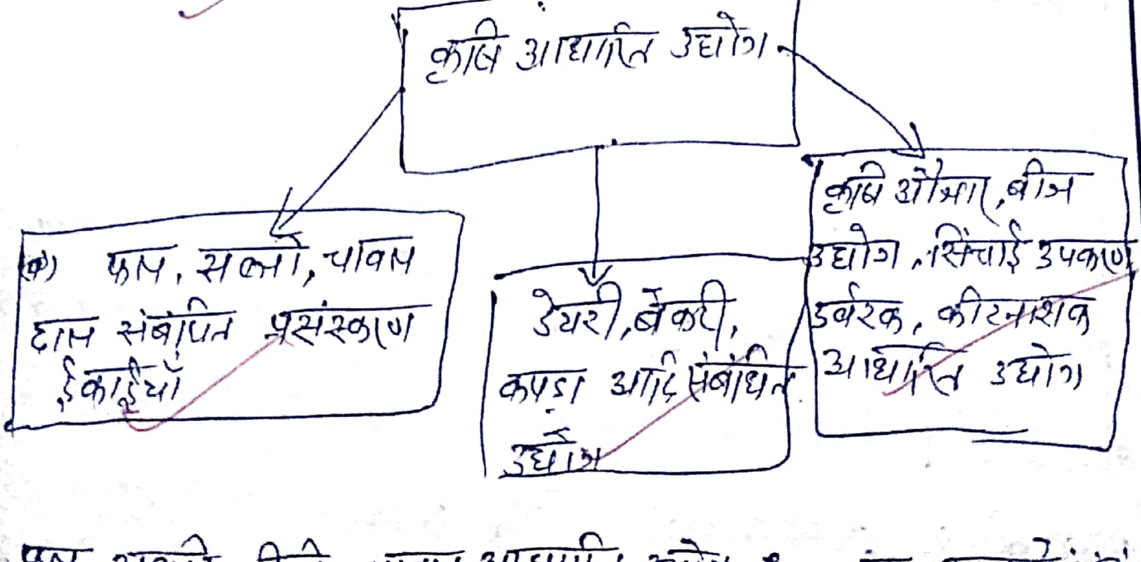

फल, सब्जी, चीनी, चावल आधारित उद्योग :- इन फसलों से संबंधित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की बिहार में अपार संभावनाएँ

Scanned with CamScanner

प्रश्नों की संख्या दीजिए

यहां map का प्रयोग करें

मौजूद हैं। चावल एवं दाल प्रसंस्करण उद्योग के विकास की संभावनाएँ लगभग बिहार के सभी क्षेत्रों में हैं। गन्ना प्रसंस्करण अर्थात् चीनी मिलें बिहार के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थापित की जा सकती हैं। ~~दालमिलें~~ इत्यादि

डेयरी, बेकरी एवं कपड़ा उद्योग :- इस प्रकार के उद्योगों का विकास भी पूर्ण रूप कृषि के विकास पर निर्भर है। जूट ~~उद्योग~~ की खेती को बढ़ावा देने से जूट उद्योग विकसित होगा। जूट मुख्य रूप से राज्य से उत्तर-पूर्व अर्थात् पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सहरसा आदि में उगाया जाता है। इस क्षेत्र में जूट उद्योग के विकास को एक नई दिशा दी जा सकती है।

Map का प्रयोग करें

कृषि औजार, उर्वरक तथा कीटनाशक उद्योग :- कृषि का विकास होने से कृषि औजार, उर्वरक ~~तथा~~ कीटनाशक आदि की माँग एवं खपत में वृद्धि होती है तथा इस प्रकार के उद्योग भी विकसित होते हैं।

बिहार सरकार द्वारा लाई गई कृषि रोडमैप-3 (2017-22) भी कृषि के उत्पादन और उत्पादकता को और अधिक बढ़ाने की संकल्पना के ~~साथ~~ का परिणाम है। इस रोडमैप का ध्येय है "प्रत्येक भारतीय थाली में एक बिहारी व्यंजन।" इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार कई स्तरों पर कार्य कर रही है। जो निम्न हैं—

इस वाक्य को ठीक करें

Scanned with CamScanner

प्रतिभा IAS
(पटना)
अब हर कदम सफलता की ओर...

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candidate must not write on margin

कृषि रोडमैप-3 में कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्रों के विकास के उपाय।

- उत्पादन के स्तर पर
- परिवहन के स्तर पर
- भूमि सुधार
- अन्य संरचनात्मक उपाय

उत्पादन के स्तर पर :- कृषि रोडमैप 2017-22 में उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कई प्रकार की योजनाएँ चलाई जा रही है। उत्पादन बढ़ने से उद्योगों को कच्चे माल पर्याप्त मात्रा में मिलेगी। जिससे रुग्ण पड़े उद्योगों को नई जान मिलेगी तथा बिहार विकास के पथ पर अग्रसर होगा। उत्पादन को बढ़ाने के लिए कृषि रोडमैप-3 में कई योजनाएं चलाई गई हैं जो निम्न हैं :-

(i) **बागवानी विशेष फसल कार्यक्रम :-** फसल उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण उपायों में से एक है, ये कार्यक्रम। इसके तहत बिहार के सभी 38 जिलों को इस विशेष क्षेत्र एवं मौसम अनुकूल फसल उत्पादन के लिए चिह्नित किया गया है। जैसे- मधुबनी के लिए पान, मखाना एवं आम।

(ii) वृहत पैमाने पर मधुमक्खी, मुर्गी, बकरी आदि पालन पर जोर दिया जा रहा है।

(iii) इंडो-इजराइल परियोजना / कार्यक्रम के तहत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। इस प्रकार के सेंटर का सबसे

CERTIFIED Bihar Naman Publishing New Delhi

Scanned with CamScanner

प्रतिभा IAS
(पटना)
अब हर कदम सफलता की ओर...

प्रश्नों की संख्या दीजिए

Candidate must not write on this margin

के लिए नालंदा में तथा फल के लिए वैशाली में स्थापित भी की जा चुकी है।

अन्य कार्यक्रमों में सिंचाई सुविधा, प्रशिक्षण कार्यशाला, वित्तीय मदद आदि प्रमुख है जिसके द्वारा उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाया जा रहा है।

परिवहन के स्तर पर :- सरकार कृषि उत्पादों को उद्योगों तक सुगम पहुँच सुनिश्चित करने के लिए परिवहन व्यवस्था में सुधार कर रही है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम-सम्पर्क योजना आदि के तहत प्रत्येक गाँव तक मुख्य सड़क की पहुँच सुनिश्चित कर रही है।

भूमि सुधार :- कृषि के विकास की मुख्य अवरोधों में से एक अवरोध भूमि संबंधी विवाद भी है। इस रोडमैप के माध्यम से भूमि का सर्वेक्षण, चकबंदी, रूक दिसाने. इत्यादि कार्यों को काम कर रही है क्योंकि विवाद के कारण खाली-द मात्रा भूमि परती रह जाती है।

CERTIFIED
Chief Editor
Bharat Raman Publishing House
New Delhi

इन आधारभूत संरचनाओं के विकास हो जाने के बाद सरकार उत्पादन को खपत करने के लिए कई खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग विकसित कर रही है। बिहार बजट 2019-20 के अनुसार राज्य राज्य में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र 9% की वृद्धि कर रहा है। सरकार ने राज्य में मेगा फुड पार्क खोलने की भी योजना बना रही है। इसमें खगड़िया, रोहतास एवं बक्सर में फुड पार्क स्थापित भी किये जा चुके है।

Underline करें

Scanned with CamScanner

प्रतिभा IAS
(पटना)

अब हर कदम सफलता की ओर...

प्रश्नों की संख्या जिए

Candidate must not write on margin

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि राज्य में कृषि एवं उस पर आधारित उद्योगों का विकास किया जा रहा है। सरकार निश्चित रूप से इस ध्येय पर काम कर रही है कि कृषि का विकास, बिहार में औद्योगिक विकास को दिशा-प्रदान करती है।

CERTIFIED
Chief Editor
Bihar Naman Publishing House
New Delhi

Very good Anu